



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक ..17.. 11.. 2020 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-8.....

टीसी की सलाह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ज्वार की उन्नत किस्म सीएसवी 44 एफ विकसित करने वाले विज्ञानी हुए सम्मानित

किसानों की दशा और दिशा को ध्यान में रखकर शोध करें विज्ञानी

जागरण संवाददाता, हिसार : किसी भी सामूहिक काम को करने के लिए टीम भावना का होना बहुत ही जरूरी है। टीम भावना से किए गए हर काम में सफलता सुनिश्चित है। यह बताएं चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय में ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले विज्ञानियों की टीम के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम के दैरान संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने विश्वविद्यालय के विज्ञानियों की सराहना करते हुए कहा कि यह टीम भावना का ही परिणाम है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय दिन दोगुनी रात चोगुनी उन्नति के पथ पर अग्रसर है। आज विश्वविद्यालय के विज्ञानियों द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि प्रदेश का देश के



एवश्यू में ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले विज्ञानियों के साथ कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। ● विज्ञानी

उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो सके।

इन विज्ञानियों को किया गया सम्मानित : विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. एके छाबड़ा के अनुसार, सीएसवी 44 एफ किस्म को विकसित करने में इस विभाग के चारा अनुभाग के विज्ञानियों डा. पर्मी

कुमारी, डा. सत्यवन आर्य, डा. एसके पाहुजा, डा. एके ठकराल एवं डा. डीएस फौगट की टीम की मेहनत रंग लाइ है। इसके अलावा डा. सतपाल, डा. जयंती टोकस, डा. हरीश कुमार, डा. विनोद मलिक एवं डा. सरित देवी का भी विशेष सहयोग रहा है। इन्हीं विज्ञानियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इन्हें सम्मानित किया गया।

सीएसवी 44 एफ किस्म की यह है खासियत

विज्ञानियों ने बताया कि सीएसवी 44 एफ किस्म में अन्य किस्मों की तुला में ग्रीटीन व पावनशीलता अधिक है, जिसकी वजह से एग्र कुष्ठ उत्पादन में बढ़ोत्तरी करती है। इस किस्म में मिटास 10 फीसद से भी अधिक व खादित होने के कारण एग्र इसको खाना अधिक पसंद करते हैं। सिफारिश किए गए उचित खाद व सिराइंग व्याधि के अनुसार यह किस्म अधिक पैदावार देने में सक्षम है। अधिक बारिश व तेज हवा वलने पर भी यह किस्म गिरती नहीं है। ज्वार में प्राकृतिक तौर पर पाया जाने वाला विषेला तत्व घूर्णन इस किस्म में बहुत ही कम है। सीएसवी 44 एफ किस्म तनाष्ठेदक कीट के प्रति प्रतिरोधी है व इसमें पत्तों पर लगाने वाले रोग भी नहीं लगते।

विभागाध्यक्ष ने बताया कि ज्वार की इस किस्म को विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा विकसित किया गया है। एचएयू में विकसित ज्वार की यह किस्म दक्षिणी राज्यों मुख्यतः कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए इन्हें सम्मानित किया गया।

चारे के लिए उत्तम है यह

किस्म ; विज्ञानियों की माने तो चारा उत्पादन, पौष्टिकता एवं रोग प्रतिरोधकता की दृष्टि से यह एक उत्तम किस्म है। इस किस्म की हो चारे की औसत पैदावार 407 विवर्टल प्रति हेक्टेयर है। जोकि ज्वार की अन्य बहतर किस्मों सीएसवी 21 एफ और सीएसवी 30 एफ से कमज़ 7.5 फीसद व 5.8 फीसद अधिक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 17.11.2020 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....5-8.....

टीम भावना से मिलती है हर काम में सफलता : प्रो. समर

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान चारा अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. पम्मी कुमारी, डॉ. सत्यवान आर्य, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. एनके ठकराल, डॉ. डीएस फौगाट सहित डॉ. सतपाल, डॉ. जयंती टोकस, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. विनोद मलिक एवं डॉ. सरिता देवी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि किसी भी सामूहिक काम को करने के लिए टीम भावना का होना बहुत ही जरूरी है। टीम भावना से किए गए हर काम में सफलता सुनिश्चित है।

आज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि प्रदेश का देश के खाद्यान्न भेंडारण में अहम योगदान है। विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एके छाबड़ा के अनुसार ज्वार की इस किस्म को



ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा विकसित किया गया है। एचएयू में विकसित

ज्वार की यह किस्म दक्षिणी राज्यों मुख्यतः कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए सिफारिश की गई है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
द्वीप भूमि.....
दिनांक .17.11.2020 पृष्ठ संख्या.....9 कॉलम.....24.....

टीम भावना से मिलती है सफलता

- ज्वार की उन्नत किस्म सीएसवी 44 एफ विकसित करने वाले एचएयू वैज्ञानिकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित

हरियाणा न्यूज ► हिसार

किसी भी सामूहिक काम को करने के लिए टीम भावना का होना बहुत ही जरूरी है। टीम भावना से किए गए हर काम में सफलता सुनिश्चित है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विविध में ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सम्मान समारोह में कही। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह टीम भावना का ही परिणाम है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय उन्नति के पथ पर अग्रसर है। आज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व



हिसार। ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। **फोटो:** हरिभूमि

इन वैज्ञानिकों को किया गया सम्मानित

आनुवाशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एके छाबड़ा के अनुसार सीएसवी 44 एफ किस्म को विकसित करने में इस विभाग के चारा अनुमान के वैज्ञानिकों डॉ. पर्मा कुमारी, डॉ. सत्यवान आर्य, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. एनके ठकराल एवं डॉ. डीएस फोगाट की टीम की मेहनत रंग लाई है। इसके अलावा डॉ. सतपाल, डॉ. जयरत्न टोकसे, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. विनोद मलिक एवं डॉ. सरिता देवी का भी विशेष सहयोग रहा है। इन्हीं वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इन्हें सम्मानित किया गया है।

तकनीकों का ही नतीजा है कि प्रदेश विकसित करने वाली वैज्ञानिकों को का देश के खाद्यान भंडारण में अहम प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया योगदान है। इस दौरान उन्नत किस्म

प्रदर्शन के प्रदर्शन के लिए इन्हें सम्मानित किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पंजाब कैसरी

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक 17.11.2020 पृष्ठ संख्या.....2 कॉलम.....1-3

'टीम भावना से मिलती है हर काम में सफलता'

ज्वार की उन्नत किस्म
सी.एस.वी. 44-एफ विकसित
करने वाले वैज्ञानिकों के
सम्मान में कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 16 नवम्बर (ब्यूरो):
किसी भी सामूहिक काम को करने
के लिए टीम भावना का होना बहुत
ही जरूरी है। टीम भावना से किए
गए हर काम में सफलता सुनिश्चित
है। ये विचार चौधरी चरण सिंह
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के
कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे।

वे विश्वविद्यालय में ज्वार की
उन्नत किस्म विकसित करने वाले
वैज्ञानिकों की टीम के सम्मान में
आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान
संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों
की सराहना करते हुए कहा कि यह
टीम भावना का ही परिणाम है कि
वर्तमान में विश्वविद्यालय दिन दौगुणी
रात चौगुणी उन्नति के पथ पर अग्रसर
है। आज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों
द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की
उन्नत किस्मों व तकनीकों का ही
नतीजा है कि प्रदेश का देश के खाद्यान



ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य।
भण्डारण में अहम योगदान है। कार्यक्रम
का आयोजन कुलपति सचिवालय में
किया गया। इस दौरान उन्नत किस्म
विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की
टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित
किया गया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान
किया कि वे किसानों की दशा व दिशा
को ध्यान में रखकर ही शोध कार्य करें
ताकि उनकी आर्थिक स्थिति ओर
अधिक मजबूत हो सके।

इन वैज्ञानिकों को किया गया सम्मानित

विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष
डॉ. ए.के. छाबड़ा के अनुसार सी.एस.वी. 44 एफ किस्म को विकसित करने
में इस विभाग के चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों डॉ. पम्मी कुमारी, डॉ. सत्यवान
आर्य, डॉ. एस.के. पाहुजा, डॉ. एन.के. ठकराल एवं डॉ. डी.एस. फौगाट की
टीम की मेहनत रंग लाई है। इसके अलावा डॉ. सतपाल, डॉ. जयंती टोकस,
डॉ. हरीश कुमार, डॉ. विनोद मलिक एवं डॉ. सरिता देवी का भी विशेष
सहयोग रहा है। इन्हीं वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इन्हें सम्मानित
किया गया। है। एच.ए.यू. में विकसित ज्वार की यह किस्म दक्षिणी राज्यों
मुख्यतः कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए सिफारिश की गई है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

२५ निक्षेप मार्ग

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 17.11.2020 पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ३-४

ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाली एचएयू टीम सम्मानित



ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों संग बीसी।

हिसार | एचएयू के बीसी प्रो. समर सिंह ने कहा कि विवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि प्रदेश का देश के खाद्यान भण्डारण में अहम योगदान है। वे विवि में ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा के अनुसार सीएसवी 44 एफ किस्म को विकसित करने में चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों डॉ. पम्मी कुमारी, डॉ. सत्यवान आर्य, डॉ. एस.के. पाहुजा, डॉ. एन.के. ठकराल एवं डॉ. डी.एस. फोगाट की टीम की मेहनत रंग लाइ है। डॉ. सतपाल, डॉ. जयंती टोकस, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. विनोद मलिक एवं डॉ. सरिता देवी का विशेष सहयोग रहा है। इन्हीं वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	17.11.2020	--	--

टीम भावना से मिलती है हर काम में सफलता : सिंह

- ज्यार की उत्तर किस्म सीएसबी 44 एफ विकसित करने वाले एचएयू वैज्ञानिकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 16 नवंबर (सुरेंद्र सौढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि किसी भी सामूहिक काम को करने के लिए टीम भावना का होना बहुत ही जरूरी है। टीम भावना से किए गए हर काम में सफलता सुनिश्चित है। वे विश्वविद्यालय में ज्यार की उत्तर किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह टीम भावना का ही परिणाम है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय दिन दौगुणी रात चौगुणी ऊर्जा के पश्च पर अग्रसर है। आज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उत्तर किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि प्रदेश का देश के खाद्यान भण्डारण में अहम योगदान है। कार्यक्रम का आवोजन कुलपति सचिवालय में किया गया। इस दौरान ऊर्जा किस्म विकसित करने



ज्यार की उत्तर किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

वाली वैज्ञानिकों की टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आङ्गन किया कि वे किसानों की दशा व दिशा को ध्यान में रखकर ही शोध कार्य करें ताकि उनकी अधिक रिस्ति और अधिक मजबूत हो सके।

इन वैज्ञानिकों को किया गया सम्मानित

विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. छावड़ा के अनुसार सीएसबी 44 एफ किस्म को विकसित करने में इस विभाग के चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों डॉ. पम्पी कुमारी, डॉ. सत्यवान आर्य, डॉ. एस.के. पाहुजा, डॉ. एन.के. उकराल एवं डॉ. झौ.एस. फोगट की टीम की मेहनत रंग लाई है। इसके अलावा डॉ. सतपाल, डॉ. जयती टोकस, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. विनोद मलिक एवं

किस्म की यह है खासियत

सीएसबी 44 एफ किस्म में अन्य किस्मों को तुलना में प्रोटीन व पाचनशीलता अधिक है, जिसकी वजह से पशु के दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतारी करती है। इस किस्म में मिटास 10 प्रतिशत से भी अधिक व स्वादिष्ट होने के कारण पशु इसको खाना अधिक पसंद करते हैं। सिफारिश किए गए ऊर्जा खाद्य व सिराई प्रबंधन के अनुसार यह किस्म अधिक पैदावार देने में सक्षम है। अधिक वारिश व तेज हवा चलने पर भी यह किस्म गिरती नहीं है। ज्यार में प्राकृतिक तौर पर पाया जाने वाला विषेला तत्व धूरिन इस किस्म में बहुत ही कम है। सीएसबी 44 एफ किस्म तनाढ़क कोट के प्रति प्रतिरोधी है व इसमें पत्तों पर लगने वाले रोग भी नहीं लगते।

डॉ. सरिता देवी का भी विशेष सहयोग रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	17.11.2020	--	--

ज्वार की उन्नत किस्म सीएसवी 44 एफ विकसित करने वाले एचएयू वैज्ञानिकों को किया सम्मानित



हिसार। किसी भी सामूहिक काम को करने के लिए टीम भावना का होना बहुत ही जरूरी है। टीम भावना से किए गए हर काम में सफलता सुनिश्चित है। ए. विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सम्मान में सोमवार को एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह टीम भावना का ही परिणाम है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय दिन दोगुण रात चौगुणी उन्नति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि प्रदेश का देश के खाद्यान भण्डारण में अहम योगदान है। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति सचिवालय में किया गया। इस दैरान उन्नत किस्म विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की दशा व दिशा को ध्यान में रखकर ही शोध कार्य करें ताकि उनकी अर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	17.11.2020	--	--

पथुपालन। मिटास 10 प्रतिशत से भी अधिक व स्वादिष्ट, पशुओं को आएगी पसंद

ज्वार की उन्नत किस्म सीएसवी 44 से दुध उत्पादन में होगी बढ़ोतरी

किस्म (सच कहूं/संदीप सिंहमार)। पेट भरने के लिए कितना खोजन की जरूरत होती है, उनमा ही स्वाद भी जल्दी माना जाता है। चौद खोजन स्वाद हो तो इसान हो या पशु अपना पेट पूरे अनंद से भर सकते हैं। हाल ही में चौद पर चरण सिंह विश्वविद्यालय हिसार की कृषि वैज्ञानिकों ने सीएसवी 44 एक किस्म नाम से ज्वार जिस उन्नत किस्म को इजाद किया है, उसे पशु खाने के लिए अच्छी दृढ़ से पसंद करें। इस उन्नत किस्म की विशेषता यह है कि इसमें मिटास 10 प्रतिशत से भी अधिक है। इस किस्म को इजाद करने वाले कृषि वैज्ञानिकों सहित विश्वविद्यालय के ऊपर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का दबाव है।



वारिश का भी किसी प्रकार का कोई किस्मों की तुलना में ग्रोटीन व प्रभाव नहीं पड़ेगा। जिन पशुओं का पाचनशालता अधिक है, जिसको ज्वार की ऊनत किस्म चारों के वजह से पशु के दुध उत्पादन में रूप में खिलाई जाएगी, उनके दुध बढ़ोतरी करती है। इस किस्म में भी खिलाई होगी। मिटास 10 प्रतिशत से भी अधिक व स्वादिष्ट होने के कारण पशु इसको खाना अधिक पसंद करते हैं। सिपाहिश किए गए ऊनत खाद व सिचाई प्रबंधन के अनुसार यह

कुलपति ने वैज्ञानिकों को किया सम्मानित

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विसी भी सामूहिक काम की करने के लिए टीम भवित्व का होना बहुत ही जरूरी है। टीम भवित्व का होना काम में सफलता सुनिश्चित है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सरलता करते हुए कहा कि यह टीम भवित्व का ही विधायक है कि उन्हें मैं विश्वविद्यालय द्वारा दैगुणी रात दैगुणी ऊनत के पशु पर अधिकार है। अंज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विविध कृषि कृषि करने की ऊनत किस्मों व तकनीकों का ही निर्णय है कि इनका काम के लिए खाद्य भण्डारण में अद्य योगदान है। इस दौरान उन्नत किस्म विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम की प्रशासित पत्र देख सम्मानित किया गया। उन्हें वैज्ञानिकों से अझान किया कि वे विसानों की दशा व दिशा की द्यान में रखकर ही शोध कार्य करें कि उनकी आधिक रिचर्च और अधिक मजबूत हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	17.11.2020	--	--

‘टीम भावना से मिलती है हर काम में सफलता’

ज्वार की उन्नत किस्म सीएसवी 44 एफ विकसित करने वाले एचएयू वैज्ञानिकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित

टूडे न्यूज़ | हिसार

किसी भी सामूहिक काम को करने के लिए टीम भावना का हीना बहुत ही जरूरी है। टीम भावना से इसके गए परामर्श में सफलता सुनिश्चित है। ये विचार जीधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम के दीर्घन संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह टीम भावना का ही परिणाम है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय दिन दौर्युगी रात जैगुणी उत्तर के पथ पर अग्रसर है। आठ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि प्रदेश का देश के खाद्यान भण्डारण में अहम योगदान है। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर सर्विकाय में किया गया। इस दीर्घन उत्तर किस्म विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।



ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों डॉ. पर्मी के लिए इन्हें सम्मानित किया गया। कुमारी, डॉ. सत्यवान आर्य, डॉ. एस.के. पाहुजा, डॉ. एन.के. उत्करात की इस किस्म को विश्वविद्यालय के अनुवाशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा विकसित किया गया है। एचएयू में विकसित ज्वार सतपाल, डॉ. जयती टोकस, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. विनोद मलिक एवं डॉ. कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए सिफारिश की गई है। इन्हीं वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को लिए सिफारिश की गई है।

किस्म की यह है खासियत

सीएसवी 44 एफ किस्म में अब किसी भी तुला में प्रोटीन व पाचनशीलता अधिक है, जिसकी वजह से पशु के कुछ उत्पादन में बढ़ावदी करती है। इस किस्म में भित्ति 10 प्रतिशत से भी अधिक व स्ट्रिप्ट होने के कारण पशु इसकी जान अधिक पद्धति करते हैं। सिफारिश किए गए अधिक खाद्य व स्ट्रिप्ट व तेज़ हवा घलने पर भी यह किस्म गिरती नहीं है। ज्वार में प्राकृतिक तौर पर पारा जाने वाला विषेश तत्त्व धूरीन में बहुत ही कम है। सीएसवी 44 एफ किस्म ताजाछेदक कीट के प्रति प्रतिरोधी है व इसमें पांची पर लालने वाले रोटी भी लग्ने वैज्ञानिकों के अनुभाव द्वारा उत्पादन, पीटीकाना की कूटिंग से यह एक उत्तम किस्म है। इस किस्म की हड्डे घरे की औतर पैदावार 407 विकंटल प्रति कैटेटर है। ज्वार की अब बैहकत किस्मों में सीएसवी 21 एफ और सीएसवी 30 एफ से क्रमशः 7.5 प्रतिशत व 5.8 प्रतिशत अधिक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका	17.11.2020	--	--

टीम भावना से मिलती है हर काम में सफलता : प्रोफेसर समर सिंह

ज्वार की उन्नत किस्म
सीएसवी 44 एफ विकसित
करने वाले एचएयू
वैज्ञानिकों के सम्मान ने
कार्यक्रम आयोजित

वाटिका@हिसार। किसी भी सामूहिक काम को करने के लिए टीम भावना का होना बहुत ही जरूरी है। टीम भावना से किए गए हर काम में सफलता सुनिश्चित है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह टीम भावना का ही परिणाम है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय दिन दोगुनी रात चौगुनी उन्नति के पथ पर अग्रसर है। आज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों



द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि प्रदेश का देश के खाद्यान भण्डारण में अहम योगदान है। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति सचिवालय में किया गया। इस दैरान उन्नत किस्म विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आङ्गन किया कि वे किसानों की दशा व दिशा को ध्यान में रखकर ही शोध कार्य करें ताकि उनकी आधिक रिस्ति और अधिक मजबूत हो सके।

इन वैज्ञानिकों को किया गया सम्मानित : विश्वविद्यालय के आनुवाशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. अबड़ा के अनुसार सीएसवी 44 एफ किस्म के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. अबड़ा की इस किस्म को विश्वविद्यालय के अनुवाशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा विकसित किया गया है। एचएयू कुमारी, डॉ. सत्यवान आर्य, डॉ. एस. के. पाहुजा, डॉ. एन.के. ठकराल एवं डॉ. डी.एस. फोगट की टीम की मेहनत रंग लाई है। इसके अलावा डॉ. सतपाल, डॉ. जयंती टोकस, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. विनोद मलिक एवं डॉ. सरिता देवी का भी विशेष

सहयोग रहा है। इन्ही वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इन्हें सम्मानित किया गया। है। विभागाध्यक्ष ने बताया कि ज्वार की इस किस्म को विश्वविद्यालय के अनुवाशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग में विकसित ज्वार की यह किस्म दक्षिणी राज्यों मुख्यतः कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए मेहनत रंग लाई है। इसके अलावा डॉ. सतपाल, डॉ. जयंती टोकस, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. विनोद मलिक एवं डॉ. सरिता देवी का भी विशेष

किस्म की यह है खासियत : सीएसवी 44 एफ किस्म में अन्य किस्मों की तुलना में प्रोटीन व

प्रचनशीलता अधिक है, जिसकी वजह से पशु के दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी करती है। इस किस्म में मिटास 10 प्रतिशत से भी अधिक व स्वादिष्ट होने के कारण पशु इसको खाना अधिक पसंद करते हैं। सिफारिश किए गए अन्य विवरण के अनुसार यह किस्म अधिक पैदावार देने में सक्षम है। अधिक बारिश व तेज हवा चलने पर भी यह किस्म गिरती नहीं है। ज्वार में प्राकृतिक तौर पर पाना जाने वाला विषेला तत्व धूरिन इस किस्म में बहुत ही कम है। सीएसवी 44 एफ किस्म तनाढ़ेक कीट के प्रति प्रतिरोधी है व इसमें पत्तों पर लगने वाले रोग भी नहीं लगते। वैज्ञानिकों के अनुसार ज्वार उत्पादन, पौधिकता एवं रोग प्रतिरोधकता की वृद्धि से यह एक उत्तम किस्म है। इस किस्म की हरे चारों की औसत पैदावार 407 किलोग्राम प्रति हेक्टेएर है। जोकि ज्वार की अन्य बेहतर किस्मों सीएसवी 21 एफ और सीएसवी 30 एफ से क्रमशः 7.5 एवं 5.8 प्रतिशत अधिक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	16.11.2020	--	--

ज्वार की उन्नत किस्म सीएसवी 44 एफ विकसित करने वाले एचएयू वैज्ञानिकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित

टीम भावना से मिलती है हर काम में सफलता : प्रो. समर सिंह

पांच बजे ब्लूग

हिसार। किसी भी सार्थकीक जागरूकता को करने के लिए टीम भावना का होना बहुत ही जरूरी है। टीम भावना से किए एवं होने काम में सफलता सुनिश्चित है। ये विचार चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समन्वित सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में ज्ञान की उत्तम किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम के दैर्घ्य संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह टीम भावना का ही परिणाम है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा दोगुणी गति दोगुणी उन्नान के पास पर अग्रसर है। आज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उत्तम किसियों व तकनीकों का ही नवीजा है कि प्रदेश का देश के खाद्यान भण्डारण में अहम योगदान है। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति सचिवालय में किया गया। इस दौरान उत्त



किस्म विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम को प्रशंसित पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने वैज्ञानिकों से अल्पवान किया कि वे किसी भी व तकनीकों की दशा व दिशा को ध्यान में रखकर एवं शोध कार्य करें ताकि उनकी आधिक स्थिति और अधिक मजबूत हो सके। इन वैज्ञानिकों को किया गया सम्मानित

विश्वविद्यालय के आनुवाशिकी एवं पौध विकसित किया गया। प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. ज्वार को यह किस्म दोगुणी राज्यों मुख्यतः

छालबढ़ा के अनुभार सीएसवी 44 एफ किस्म कननटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए की विकसित करने में इस विभाग के चारा विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा द्यूम् से वह एक उत्तम किस्म है। इस किस्म

की मेहनत रंग लाई है। इसके अलावा डॉ. सरपाल, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. विनोद भारतीक एवं डॉ. विनोद भारतीक एवं पौध विकास वैज्ञानिकों द्वारा इसके अनुसार यह किस्म अधिक पैदावार देने में सक्षम है। अधिक वारिरु व तेज हवा बलने पर भी यह विस्तृत गति नहीं। ज्वार की विभागाध्यक्ष द्वारा इस किस्म में बहुत ही कम है। सीएसवी 44 एफ किस्म तात्त्विक कीट के प्रति प्रतिरोधी है व इसमें पत्तों पर लगाने वाले रोग भी नहीं लाते। वैज्ञानिकों के अनुभार चार उत्पादन, पौधिक एवं रोग प्रतिरोधकता की दृष्टि से वह एक उत्तम किस्म है। इस किस्म को हार चार की अोस्ट पैदावार 407 किलोलि प्रति हेक्टेयर है। जोकि ज्वार की अन्य बहतर किस्मों सीएसवी 21 एफ और सीएसवी 30 एफ से क्रमशः 7.5 प्रतिशत व 5.8 प्रतिशत अधिक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	16.11.2020	--	--

ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिक सम्मानित

हिसार/16 नवंबर/एपोर्टर

किसी भी सामूहिक काम को करने के लिए टीम भावना का होना बहुत ही जरूरी है। टीम भावना से किए गए हर काम में सफलता सुनिश्चित है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे

ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने



विश्वविद्यालय दिन दौगुणी रात चौगुणी उन्नति के पथ पर अग्रसर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि

प्रदेश का देश के खाद्यान भण्डारण में अहम योगदान है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आवान किया कि वे

एवं पौध प्रजनन विभाग के किसानों की दशा व दिशा को विभागाध्यक्ष डॉ. एके छावड़ा के ध्यान में रखकर ही शोध कार्य करें अनुसार सीएसवी 44 एफ किस्म ताकि उनकी आर्थिक स्थिति और को विकसित करने में इस विभाग

के चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों डॉ. पम्मी कुमारी, डॉ. सत्यवान आर्य, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. एनके ठकराल एवं डॉ. डीएस फोगाट की टीम की मेहनत रंग लाई है। इसके अलावा डॉ. सतपाल, डॉ. जयंती टोकस, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. विनोद मलिक एवं डॉ. सरिता देवी का भी विशेष सहयोग रहा है। इन्ही वैज्ञानिकों के उक्त प्रश्नों के लिए इन्हें सम्मानित किया गया। विभागाध्यक्ष ने बताया कि ज्वार की इस किस्म को विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	16.11.2020	--	--

टीम भावना से मिलती है हर काम में सफलता: प्रोफेसर समर सिंह

ज्ञार की उन्नत किस्म सीएसवी 44 एफ विकसित करने वाले एचएयू वैज्ञानिकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। किसी भी सामूहिक काम को करने के लिए टीम भावना का होना बहुत ही जरूरी है। टीम भावना से किए गए हर काम में सफलता सुनिश्चित है। वे विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में ज्ञार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह टीम भावना का ही परिणाम है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय दिन दौँगुणी रात चौँगुणी उन्नति के पथ पर अग्रसर है। आज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों का ही नतीजा है कि प्रदेश का देश के खाद्यान भण्डारण में अहम योगदान है।



हिसार। ज्ञार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

इन वैज्ञानिकों को किया गया सम्मानित

विश्वविद्यालय के अनुवारिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाधार्य डॉ. ए. के. लाल्हा के अनुसार सीएसवी 44 एफ विस्म को विकसित करने में इस विभाग के वारा अबुगांग के वैज्ञानिकों डॉ. पद्मी कुमारी, डॉ. सत्यवान आर्थ, डॉ. एस.के. पाहुणा, डॉ. ए.ज.के. उकराल एवं डॉ. डी.एस. घोगाट की टीम की गोदानत रंग लाई है। इसके अलावा डॉ. सतपाल, डॉ. जयती टोकस, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. विलोद मलिक एवं डॉ. सरिता टेवी का भी विशेष सहयोग रहा है। इन्हीं वैज्ञानिकों के उत्तम प्रदर्शन के लिए इन्हें सम्मानित किया गया है। ज्ञार की इस विस्म को विश्वविद्यालय के अनुवारिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के वारा अबुगांग द्वारा विकसित किया गया है। एचएयू में विकसित ज्ञार की यह किस्म दक्षिणी राज्यों मुख्यतः कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए सिफारिश की गई है।

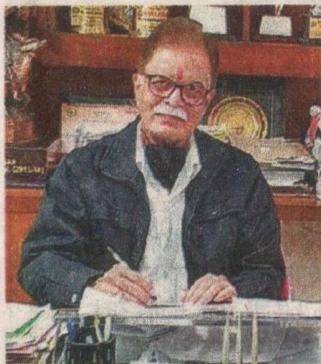


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 17. 11. 2020 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 3-5

कृषि महाविद्यालय के कार्यकारी डीन होंगे डा. छाबड़ा



कृषि महाविद्यालय के नवनियुक्त अधिष्ठाता
का कार्यभार संभालते डा. एके छाबड़ा।

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विवि में डा. एके छाबड़ा को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। डा. छाबड़ा के पास विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष का भी चार्ज है। साथ ही वे विश्वविद्यालय के ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के चेयरमैन भी हैं। यह जानकारी विवि के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने दी।

उन्होंने बताया कि इससे पहले कषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता

अंतरराष्ट्रीय स्तर के विज्ञानी हैं डा. एके छाबड़ा, तिलहनी व औषधीय फसलों की कई उन्नत किस्मों को विकसित करने में दिया योगदान

का चार्ज अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत को दिया हुआ था। डा. सहरावत को अब इस अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है। गैरतलब है कि डा. एके छाबड़ा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विज्ञानी हैं। जिन्होंने गेहूं, चना, मटर, मूंग सहित तिलहनी व औषधीय फसलों की

कई उन्नत किस्मों को विकसित करने में अहम योगदान दिया है। इनके शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के आधार पर इन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा उनके राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर बहुत सारे बहुमूल्य रिसर्च पेपर, किताबें, मैनुअल आदि छप चुके हैं। डा. ए.के. छाबड़ा ने सोमवार को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

ट्रैनिंग मास्टर, अभिभावक

दिनांक 17, 11, 2020 पृष्ठ संख्या 2, 4 कॉलम 4, 7-8

डॉ. छाबड़ा को मिला एचएयू में कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार

हिसार। एचएयू में डॉ. एके छाबड़ा को कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। डॉ. एके छाबड़ा के पास एचएयू के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष का भी चार्ज है। साथ ही वे विवि के ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के चेयरमैन भी हैं। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का चार्ज अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत को दिया हुआ था। डॉ. सहरावत को अब इस अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया गया है।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार



हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. एके छाबड़ा को कृषि मंहाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। उनके पास विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष का भी चार्ज है। साथ ही वे विश्वविद्यालय के ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के चेयरमैन भी हैं। डॉ. छाबड़ा ने सोमवार को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता के रूप में कार्यभार संभाला। बता दें कि इससे पहले कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का चार्ज अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत को दिया हुआ था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
पुस्तक के संख्या.....
दिनांक 17.11.2020 पृष्ठ संख्या..... 2 कॉलम..... 8

'डॉ. छाबड़ा को दिया कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार'

हिसार, 16 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. ए.के. छाबड़ा को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। उनके पास विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष का भी चार्ज है। साथ ही वे विश्वविद्यालय के ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के चेयरमैन भी हैं। कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि इससे पहले कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का चार्ज अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के सहरावत को दिया हुआ था।

डॉ. ए.के. छाबड़ा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं, जिहोंने गेहूं, चना, मटर, मूँग सहित तिलहनी व औषधीय फसलों की कई उन्नत किस्मों को विकसित करने में अहम योगदान दिया है। इनके शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के आधार पर इहें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	17.11.2020	--	--

डॉ. ए.के. छबड़ा को दिया कृषि महाविद्यालय के + अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार

हिसार, (सुरेन्द्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. ए.के. छबड़ा को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। डॉ.ए.के. छबड़ा के पास विश्वविद्यालय के आनुवाशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष का भी चार्ज है। साथ ही वे विश्वविद्यालय के ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के वेबस्ट्रीपन भी हैं। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. री.आर. कबीरज ने दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का चार्ज अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत को दिया हुआ था। डॉ. सहरावत को अब इस अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है। गौरतलब है कि डॉ. ए.के. छबड़ा अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने गेहूं, चना, मटर, मुग सहित तिलहनी व औषधीय फसलों की कई उत्तरांश किसी को विकसित करने में अहम योगदान दिया है। इनके शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के आधार पर इन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा उनके राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर बहुत सारे बहुमूल्य रिसर्च पेपर, किताबें, मैनुअल आदि छ्या चुके हैं। डॉ. ए.के. छबड़ा ने सामवार को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	17.11.2020	--	--

डॉ. आबड़ा को दिया एचएयू में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार

हिसार(सच कहूं-न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. एके. आबड़ा को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। डॉ.ए.के. आबड़ा के पास विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष का भी चार्ज है। साथ ही वे विश्वविद्यालय के ऑफलाइन शिक्षा प्रणाली के चेयरमैन भी हैं। वह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का चार्ज अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत को दिया हुआ था। डॉ. सहरावत को अब इस अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है। गौरतलब है कि डॉ. ए.के. आबड़ा अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने गेहूं, चना, मटर, मुँग सहित तिलहनी व ओषधीय फसलों की कई उत्तर किस्मों को विकसित करने में अहम योगदान दिया है। इनके शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के आधार पर इन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा उनके राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर बहुत सारे बहमूल्य रिसर्च पेपर, किताबें, मैनुअल आदि छप चुके हैं। डॉ. ए.के. आबड़ा ने सोमवार को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	17.11.2020	--	--

डॉ. ए.के. छाबड़ा को दिया एचएयू में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. ए.के. छाबड़ा को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। डॉ.ए.के. छाबड़ा के पास विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष का भी चार्ज है। साथ ही वे विश्वविद्यालय के ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के चेयरमैपन भी हैं। यह



जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का चार्ज अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के सहरावत को

दिया हुआ था। डॉ. सहरावत को अब इस अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है। गौरतलब है कि डॉ. ए.के. छाबड़ा अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने गेहूं, चना, मटर, मुंग सहित तिलहनी व औषधीय फसलों की कई उन्नत किस्मों को विकसित करने में अहम योगदान दिया है। इनके शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के आधार पर इन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा उनके राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर बहुत सारे बहुमूल्य रिसर्च पेपर, किताबें, मैनुअल आदि छप चुके हैं। डॉ. ए.के. छाबड़ा ने सोमवार को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	17.11.2020	--	--

डॉ. छबड़ा को दिया एचएयू में
कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता
का अतिरिक्त कार्यभार

हिसार। हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में डॉ. एके छबड़ा
को कृषि महाविद्यालय के
अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार
सौना गया है। डॉ. एके छबड़ा के
पास विश्वविद्यालय के
आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन
विभाग के विभागाध्यक्ष का भी
चाज है। साथ ही वे विश्वविद्यालय
के ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के
चेयरमैन भी हैं। विश्वविद्यालय के
कुल्लम्बिक डॉ. वी.आर. कंबोज ने
बताया कि इसमें पहले कृषि
महाविद्यालय के अधिष्ठाता का
चाज अनुसंधान निदेशक डॉ.
एस.के. सहगवत को दिया हुआ
था। डॉ. सहगवत को अब इस
अतिरिक्त कार्यभार में मृत्त कर
दिया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	17.11.2020	--	--

‘टीम भावना से मिलती है हर काम में सफलता’

ज्वार की उन्नत किस्म सीएसवी 44 एफ विकसित करने वाले एचएयू वैज्ञानिकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित

टडे न्यूज़ | हिसार

किसी भी समूहिक काम को करने के लिए टीम भावना का होना बहुत ही जरूरी है। टीम भावना से किए गए हर काम में सफलता सुनिश्चित है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समूह ने कहा। वे विश्वविद्यालय में ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह टीम भावना का ही परिणाम है कि वर्तमान में विश्वविद्यालय दिन दीगुणी रात चौगुणी उन्नति के पथ पर अगस्त है। आज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्म व तकनीकों का ही नतीजा है कि प्रदेश का देश के खाद्यान भण्डारण में अहम योगदान है। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति सचिवालय में किया गया। इस दौरान उन्नत किस्म विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।



ज्वार की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों डॉ. पम्पी के लिए इन्हें सम्मानित किया गया। वे किसानों की दशा व दिशा को ध्यान में रखकर ही शोध कार्य करें ताकि उनकी आधिक स्थिति और अधिक मजबूत हो सके। विश्वविद्यालय के आनुवाशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा के अनुसार सीएसवी 44 एफ किस्म को विकसित करने वाली वैज्ञानिकों की टीम को प्रशस्ति करने में इस विभाग के

किस्म की यह है खासियत

सीएसवी 44 एफ किस्म में अल्प किस्मों की तुलना में प्रोटीन व पाचालकीलता अधिक है, जिसकी वजह से यह के दुष्प्रभाव उत्पादन में बढ़ाती करती है। इस किस्म में भिताल 10 प्रतिशत से भी अधिक व स्ट्राइप्स होने के कारण पशु इसको ताजा अधिक पसंद करते हैं। विकारिश किए गए उद्योग स्तर व ताजाउत्पादन के अनुसार यह किस्म अधिक पेदावार देते में उत्तम है। अधिक बारिश व तेज हवा घलके पर भी यह किस्म गिरती नहीं है। ज्वार में प्राकृतिक तौर पर पाया जाने वाला विषेश तत्व धूरिन इस किस्म में बहुत ही कम है। सीएसवी 44 एफ किस्म ताजाउत्पादन कीट के प्रति प्रतिरोधी है व इसमें पाते पर लाजे वाले रोग भी नहीं लाते। वैज्ञानिकों के अनुसार यारा उत्पादन, पौष्टिकता एवं रोग प्रतिरोधकता की दृष्टि से यह एक उत्तम किस्म है। इस किस्म की हड्डे घारे की ओसल पेदावार 407 विटेल प्रति हेक्टेएर है। जोकि ज्वार की अव्य बेहतर किस्मों सीएसवी 21 एफ और सीएसवी 30 एफ से कम है। 7.5 प्रतिशत व 5.8 प्रतिशत अधिक है।



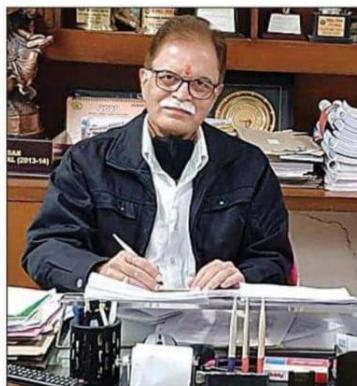
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	16.11.2020	--	--

डॉ. छाबड़ा को मिला कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. ए.के. छाबड़ा को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। डॉ.ए.के. छाबड़ा के पास विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष का भी चार्ज है। साथ ही वे विश्वविद्यालय के ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के चेयरमैन भी हैं। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कलमचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने



बताया कि इससे पहले कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का चार्ज अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत को दिया हुआ था। डॉ. सहरावत को अब इस अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है। गौरतलब है कि डॉ. ए.के. छाबड़ा अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने गेहूं, चना, मटर, मुंग सहित तिलहनी व औषधीय फसलों की कई उन्नत किस्मों को विकसित करने में अहम योगदान

दिया है। इनके शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के आधार पर इन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा उनके राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर बहुत सारे बहुमूल्य रिसर्च पेपर, किताबें, मैनुअल आदि छप चुके हैं। डॉ. ए.के. छाबड़ा ने सोमवार को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।



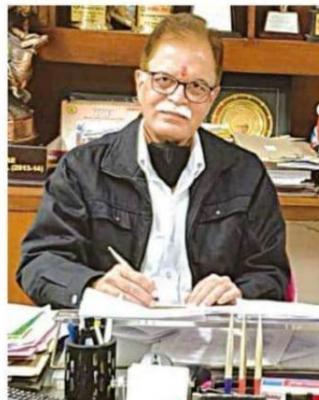
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	16.11.2020	--	--

डॉ. छाबड़ा ने संभाला कृषि महाविद्यालय डीन का अतिरिक्त चार्ज

हिसार/16 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. एके छाबड़ा को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। डॉ. छाबड़ा के पास विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष का भी चार्ज है। साथ ही वे विश्वविद्यालय के ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के चेयरमैपन भी हैं। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का चार्ज अनुसंधान निदेशक डॉ.



एके छाबड़ा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने गेहूं, चना, मटर, मूँग सहित तिलहनी व औषधीय फसलों की कई उन्नत किस्मों को विकसित करने में अहम योगदान दिया है। इनके शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के आधार पर इन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा उनके राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर बहुत सारे बहुमूल्य रिसर्च पेपर, किताबें, मैनुअल आदि छप चुके हैं। डॉ. छाबड़ा ने आज कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	16.11.2020	--	--

डॉ. एके छाबड़ा को दिया हरियाणा कृषि विवि में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अंतिरिक्त कार्यभार

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. ए.के. छाबड़ा को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अंतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। डॉ. एके छाबड़ा के पास विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एं पौध प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष का भी चार्ज है। साथ ही वे विश्वविद्यालय के ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के चेयरमैन भी हैं। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता का चार्ज अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के सहरावत को दिया हुआ था। डॉ. सहरावत को अब इस अंतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है। डॉ. छाबड़ा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने गेहूं, चना, मटर, मूंग सहित तिलहनी व औषधीय फसलों की



हिसार। एवप्यु में कृषि महाविद्यालय के नवनियुक्त अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा कार्यभार संभालते हुए।

कई उन्नत किस्मों को विकसित करने में अहम योगदान दिया है। इनके शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यों के आधार पर इन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा

उनके राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर बहुत सारे बहुमूल्य रिसर्च पेपर, किताबें, मैनुअल आदि छप चुके हैं। डॉ. ए.के. छाबड़ा ने सोमवार को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	17.11.2020	--	--

एचएयू के स्थापना दिवस पर पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कैंपस स्कूल के स्थापना दिवस, पूर्व संघ्या पर कैंपस स्कूल की नवगठित एलुम्नाई एसोशिएशन द्वारा एक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। 1971 में स्थापित यह स्कूल इस साल अपनी स्वर्ण जयंती मना रहा है। इस समारोह में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समर सिंह मुख्य अतिथि व कुलसचिव डॉ. बी ???. आर. कम्बोज विशिष्ट अतिथि थे। समारोह की अध्यक्षता स्कूल के नियंत्रक अधिकारी डॉ. संजय ठकराल ने की। कुलपति ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने सम्बोधन में कुलपति ने कैंपस स्कूल के 50 साल के इतिहास को याद करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपना लोहा मनवाने वाले स्कूल के पूर्व छात्रों का जिक्र किया। कुलपति ने नवगठित कैंपस स्कूल सी सी एस एएयू एलुम्नाई एसोशिएशन को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

एसोशिएशन के प्रधान अजय सिहाग ने अतिथियों



का स्वागत करते हुए एसोशिएशन के गठन तथा उसके प्रस्तावित कामकाज का उल्लेख किया। इस अवसर पर एसोशिएशन ने स्कूल से सेवानिवृत व वर्तमान अध्यापकों को सम्मानित भी किया। पूर्व-छात्रों की एसोशिएशन में डॉ. रीना को उप-प्रधान, संदीप चोपड़ा को ट्रेजरर, अजय नैन को महासचिव तथा सुमन कामरा को संयुक्त सचिव चुना गया है। मिलन समारोह में सैकड़ों पूर्व छात्रों ने भाग लिया और अपने अनुभव साँझा किए। गौरतलब है कि अरविंद केरीवाल, सायना नेहवाल, नवीन जिंदल जैसी बड़ी हस्तियाँ कैंपस स्कूल से ही पढ़ी हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	17.11.2020	--	--

एचएयू के स्थापना दिवस पर पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन



टुडे न्यूज़ | हिसार

साल के इतिहास को याद करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अना लोहा मनवाने वाले स्कूल के पूर्व छात्रों का जिक्र किया। कुलपति ने नवगठित कैंपस स्कूल सी सी एस एएयू एलुम्नाइ एसोशिएशन को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। एसोशिएशन के प्रधान अजय सिहाग ने अतिथियों का स्वागत करते हुए एसोशिएशन के गठन तथा उसके प्रस्तावित कामकाज का उल्लेख किया। इस अवसर पर एसोशिएशन ने स्कूल से सेवानिवृत व वर्तमान अध्यापकों को सम्मानित भी किया। पूर्व-छात्रों की एसोशिएशन में डॉ. रीना को उप-प्रधान, संदीप चोपड़ा को ट्रेजर, अजय नैन को महासचिव तथा सुमन कमरा को संयुक्त सचिव चुना गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	17.11.2020	--	--

एचएयू के स्थापना दिवस पर पूर्व छात्र मिलन समरोह का आयोजन



पूर्व छात्र मिलन समारोह में कुलपति व कैपस की पुरानी हस्तियाँ।

हिसार, (सुरेंद्र सौढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कैपस स्कूल के स्थापना दिवस, पूर्व संघ्या पर कैपस स्कूल की नवगठित एलुम्नाई एसोशिएशन द्वारा एक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। 1971 में स्थापित यह स्कूल इस साल अपनी 40वीं जयंती मना रहा है। इस समारोह में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समर सिंह मुख्यातिथि व कुलसचिव डॉ. बी. आर. कमोज विशिष्ट अतिथि थे। समारोह की अध्यक्षता स्कूल के नियंत्रक अधिकारी डॉ. संजय टकराल ने की। कुलपति ने दीप प्रज्ञलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने सम्मोहन में कुलपति ने कैपस स्कूल के 50 साल के इतिहास को याद करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपना लोहा मनवाने वाले स्कूल के पूर्व छात्रों का जिक्र किया। कुलपति ने नवगठित कैपस स्कूल सी सी एस एयू एलुम्नाई एसोशिएशन को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। एसोशिएशन के प्रधान अजय सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए एसोशिएशन के गठन तथा उसके प्रस्तावित कामकाज का उल्लेख किया। इस अवसर पर एसोशिएशन ने स्कूल से सेवानिवृत व वर्तमान अध्यापकों को सम्मानित भी किया। पूर्व-छात्रों की एसोशिएशन में डॉ. रीना को उप-प्रधान, संदीप चौपड़ा को ट्रेजरर, अजय नैन को महासचिव तथा सुमन कामरा को संयुक्त सचिव चुना गया है। मिलन समारोह में सेकड़ों पूर्व छात्रों ने भाग लिया और अपने अनुभव संदेश किए। गोरतलध है कि अरविंद केजरीवाल, साधना नेहवाल, नवीन जिंदल जैसी बड़ी हस्तियाँ कैपस स्कूल से ही पढ़ी हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	16.11.2020	--	--

एचएयू के स्थापना दिवस पर पूर्व छात्र मिलन समरोह का आयोजन



पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 16 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कैंपस स्कूल के स्थापना दिवस, पूर्व संध्या पर कैंपस स्कूल की नवगठित एलुम्नाई एसोसिएशन द्वारा एक मिलन समरोह का आयोजन किया गया। 1971 में स्थापित यह स्कूल इस साल अपनी स्वर्ण जयंती मना

रहा है। इस समारोह में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समर सिंह मुख्य अतिथि व कुलसचिव डॉ. बी. आर. कम्बोज विशिष्ट अतिथि थे। समारोह की अध्यक्षता स्कूल के नियंत्रक अधिकारी डॉ. संजय ठकराल ने की। कुलपति ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने

सम्बोधन में कुलपति ने कैंपस स्कूल के 50 साल के इतिहास को याद करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपना लोहा मनवाने वाले स्कूल के पूर्व छात्रों का जिक्र किया। कुलपति ने नवगठित कैंपस स्कूल सी सी एस एएयू एलुम्नाई एसोशिएशन को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। एसोसिएशन के प्रधान अजय सिहांग ने अतिथियों का स्वागत करते हुए एसोशिएशन के गठन तथा उसके प्रस्तावित कामकाज का उल्लेख किया। इस अवसर पर एसोशिएशन ने स्कूल से सेवानिवृत व वर्तमान अध्यापकों को सम्मानित भी किया। पूर्व-छात्रों की एसोशिएशन में डॉ. रीना को उप-प्रधान, संदीप चौपड़ा को ट्रेजरर, अजय नैन को महासचिव तथा सुमन कामरा को संयुक्त सचिव चुना गया है। मिलन समरोह में सैकड़ों पूर्व छात्रों ने भाग लिया और अपने अनुभव साँझा किए। गौरतलब है कि अरविंद के जरीवाल, सायना नेहवाल, नवीन जिंदल जैसी बड़ी हस्तियाँ कैंपस स्कूल से ही पढ़ी हैं।